अंबेडकर ने संघ से प्रतिबंध हटाने में भूमिका निभाई थी : अशोक

बाबा साहेब अंबेडकर का संघ से था अच्छा संवाद

नवभारत प्रतिनिधि

भोपाल, 14 अप्रैल. स्वतंत्रता, समता और बंधुत्व तभी सार्थक होंगे जब समाज में ममता जुड़ेगी और यही समरसता का आधार है.

यह विचार डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती पर विश्व संवाद केंद्र में आयोजित विशेष व्याख्यान में मुख्य वक्ता के रूप में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रांत संचालक अशोक पांडेय ने व्यक्त किए. उन्होंने कहा कि कानून केवल समानता दे सकता है, लेकिन अपनत्व के बिना समरसता संभव नहीं. कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में डॉ भीम राव अंबेडकर विश्वविद्यालय के पूर्व कुलगुरु प्रकाश बरतूनिया शामिल हुए. वहीं कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्व संवाद केंद्र न्यास के अध्यक्ष लाजपत आहूजा ने की. मुख्य वक्ता अशोक पांडेय ने कहा कि बाबा साहेब अंबेडकर संघ से अलग नहीं थे और उनके संघ के साथ अच्छे संवाद रहे. उन्होंने यह भी कहा कि संघ पर से प्रतिबंध हटाने के कार्य में डॉ अंबेडकर ने भूमिका निभाई थी. उनका उद्देश्य शोषणमुक्त और समरस समाज बनाना था, जिसे केवल कानून नहीं बल्कि सामाजिक व्यवहार से साकार किया जा सकता है. उन्होंने कहा कि संघ की कार्यप्रणाली में जाति का कोई स्थान नहीं है और व्यक्ति का मूल्यांकन उसके आचरण व गुणों के आधार पर होता है.

अंबेडकर के विचार स्पष्ट और निर्भीक थे. उन्होंने धर्म, समाज, इस्लाम और साम्यवाद जैसे विषयों पर खुलकर अपनी बात रखी. उनके अनुसार धर्म नैतिकता का आधार है और समाज को संगठित करने में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका है. वहीं मुख्य अतिथि प्रकाश बरतुनिया ने भी कहा कि अंबेडकर ने संविधान के माध्यम से सामाजिक समरसता की मजबूत नींव रखी. उन्होंने भी कहा कि संघ पर से प्रतिबंध हटाने में डॉ अंबेडकर ने भूमिका निभाई थी. बाद में उनका गुरूजी ने सम्मान भी किया था. उन्होंने कहा कि आरक्षण सामाजिक संतुलन का माध्यम है और राजनीतिक आरक्षण सीमित अवधि के लिए रखा गया था. 50 प्रतिशत की सीमा का विचार भी संतुलन बनाए रखने के लिए था. उन्होंने अंबेडकर के बहुआयामी व्यक्तित्व का उल्लेख करते हुए कहा कि वे कई भाषाओं के ज्ञाता और भाषाई समरसता के समर्थक थे. कार्यक्रम की प्रस्तावना विश्व संवाद केंद्र के सचिव लोकेंद्र सिंह ने रखते हुए कहा कि डॉ अंबेडकर को किसी वर्ग विशेष तक सीमित नहीं रखा जा सकता.

> अध्यक्ष लाजपत आहूजा ने कहा कि अंबेडकर को सीमित करना उनके व्यक्तित्व के साथ अन्याय है. वे राष्ट्रीय एकता और सामाजिक सुधार के व्यापक विचारक थे. इस अवसर पर 'हिंदी गर्जना' स्मारिका का विमोचन हुआ और बड़ी संख्या में प्रबुद्धजन उपस्थित रहे. कार्यक्रम में बड़ी संख्या में प्रबुद्धजन, शिक्षाविद और सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित रहे.

नारी शक्ति वंदन पखवाड़ा के तहत मुख्य कार्यक्रम आज

प्रशासनिक संवाददाता

भोपाल, 14 अप्रैल. मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश में महिलाओं की राजनीतिक सहभागिता और उनके लोकतांत्रिक अधिकारों को नई ऊंचाइयां देने के लिए राज्य सरकार द्वारा ऐतिहासिक पहल की जा रही है.

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पारित नारी शक्ति वंदन अधिनियम की मूल भावना को धरातल पर उतारने के उद्देश्य से प्रदेश भर में 10 से 25 अप्रैल तक नारी शक्ति वंदन पखवाड़ा मनाया जा रहा है. इसी कड़ी में 15 अप्रैल को शाम 4 बजे रवीन्द्र भवन में राज्य स्तरीय मुख्य कार्यक्रम होगा. इस दौरान महिला नेतृत्व की यात्रा विषय पर एक विशेष प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी, जो महिला शक्ति के गौरवशाली इतिहास और भविष्य की संभावनाओं को दर्शाएगी. इस गरिमामयी समारोह में मुख्यमंत्री शामिल होंगे और शासन व्यवस्था में महिलाओं की प्रत्यक्ष भागीदारी सुनिश्चित करने और नीति-निर्माण की प्रक्रियाओं में उनकी भूमिका को सुदृढ़ करने पर विशेष विमर्श करेंगे. मुख्यमंत्री इस अवसर पर प्रदेश की महिलाओं को संबोधित भी करेंगे और सरकार के उस संकल्प को दोहराएंगे, जिसके तहत मध्यप्रदेश की लोकतांत्रिक संस्थाओं में महिलाओं की आवाज और अधिक मुखर होगी.

आज से बाकी 6 संभागों में गेहूं खरीदी शुरू होगी

चंबल, ग्वालियर, रीवा, जबलपुर, शहडोल, सागर में खरीदी के लिए तैयारी पूरी

04 संभागों में अब तक 12 लाख क्विंटल से अधिक की खरीदी

प्रशासनिक संवाददाता

भोपाल, 14 अप्रैल. प्रदेश में अब 6 संभागों में भी बुधवार 15 अप्रैल से गेहूं खरीदी शुरू होगी. इसके लिए सभी तैयारी पूरी कर ली गई है. जबलपुर, शहडोल, सागर, रीवा, ग्वालियर और चंबल संभाग में गेहूं खरीदी होगी.

9 अप्रैल को इन संभागों में खरीदी शुरू नहीं हो सकी थी, केवल चार संभागों भोपाल, नर्मदापुरम, उज्जैन और इंदौर में ही गेहूं की खरीदी शुरू हुई थी, अब कल से सभी संभागों में ये सिलसिला शुरू होगा. खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने बताया है कि न्यूनतम समर्थन मूल्य पर अभी तक 28 हजार 199 किसानों से 12 लाख 52 हजार 470 क्विंटल गेहूं की खरीदी की जा चुकी है.किसानों को 10 करोड़ 23 लाख रुपए का भुगतान उनके बैंक खाते में किया जा चुका है. अभी तक 2 लाख 35 हजार 177 किसानों द्वारा 1 करोड़ 3 लाख 90 हजार 280 क्विंटल गेहूं के विक्रय के लिये स्लॉट बुक किये जा चुके हैं.

> उपार्जन केन्द्रों में छायादार स्थान में बैठने और पेय जल की समुचित सुविधा उपलब्ध कराई गई है. केंद्र में बारदाने, तौल कांटे सिलाई मशीन, कंप्यूटर, इंटरनेट, गुणवत्ता परीक्षण उपकरण और उपज की साफ सफाई के लिए पंखा, छनना आदि की व्यवस्थाएं भी सुनिश्चित की गई हैं. गेहूं के उपार्जन के लिये आवश्यक बारदानों की व्यवस्था की जा चुकी है. उपार्जित गेहूं को रखने के लिये जूट बारदानों के साथ ही पीपी/एचडीपी बैग एवं जूट के भर्ती बारदाने का उपयोग किया जा रहा है.

> समर्थन मूल्य पर उपार्जित गेहूं के सुरक्षित भंडारण की पर्याप्त व्यवस्था की गई है. उपार्जित गेहूं में से 7 लाख 69 हजार 720 क्विंटल गेहूं का परिवहन किया जा चुका है. प्रदेश में गेहूं उपार्जन के लिये इस वर्ष रिकार्ड 19 लाख 4 हजार किसानों ने पंजीयन कराया है, जो पिछले वर्ष की तुलना में 3 लाख 60 हजार अधिक है. विगत वर्ष समर्थन मूल्य पर लगभग 77 लाख मीट्रिक टन गेहूं का उपार्जन किया गया था.

बिहार में सम्राट को चुनकर बीजेपी ने दिया बड़ा राजनीतिक संदेश

प्रवेश कुमार मिश्र

नई दिल्ली, 14 अप्रैल. बिहार की राजनीति में एक नए युग का सूत्रपात करते हुए भाजपाई रणनीतिकारों ने सम्राट चौधरी के हाथ बिहार की कमान सौंपकर न सिर्फ जातिगत समीकरणों को साधने का प्रयास किया है, बल्कि बिहार की राजनीति में आक्रामक व अपेक्षाकृत युवा नेतृत्व को आगे बढ़ाते हुए प्रतिद्वंद्वियों के सामने बड़ी चुनौती खड़ी की है.

जानकार मान रहे हैं कि भाजपा ने मुख्यमंत्री के रूप में सम्राट चौधरी को चुनकर एक बड़ा राजनीतिक संदेश दिया है. यह निर्णय केवल नेतृत्व परिवर्तन नहीं, बल्कि राज्य के सामाजिक और राजनीतिक समीकरणों को साधने की एक सोची-समझी रणनीति का हिस्सा है. भाजपा ने सम्राट चौधरी के माध्यम से बिहार के प्रभावशाली कुशवाहा समुदाय (ओबीसी) को साधने का प्रयास किया है.

उल्लेखनीय है कि पारंपरिक रूप से लव-कुश (कुर्मी-कोइरी) समीकरण नीतीश कुमार का आधार रहा है. सम्राट चौधरी को आगे कर भाजपा ने जहां इस वर्ग में नीतीश कुमार का विकल्प पेश किया है, वहीं दूसरी ओर यादव राजनीति को सीधी चुनौती दी है.

2022 की जातिगत जनगणना के बाद, बिहार में पिछड़ों और अति पिछड़ों की 60त्न से अधिक आबादी को देखते हुए, भाजपा ने एक पिछड़े चेहरे को कमान सौंपकर अपनी ओबीसी-केंद्रित राजनीति को मजबूत किया है. इसके अलावा सम्राट चौधरी की आक्रामकता वाली छवि ने भी उन्हें अपने अन्य प्रतिद्वंद्वियों से अलग किया है. उपमुख्यमंत्री और गृह मंत्री के रूप में सम्राट के कार्यकाल को यूपी के योगी मॉडल से जोड़कर देखा गया है. इसका फायदा भी सम्राट चौधरी को मिला है.

जानकार बता रहे हैं कि राजद के तेजस्वी यादव जैसे युवा नेताओं के सामने भाजपा को एक ऐसे चेहरे की जरूरत थी, जो न केवल प्रशासनिक अनुभव रखता हो, बल्कि चुनावी रैलियों में भी उतनी ही आक्रामकता दिखा सके. इतना ही नहीं सम्राट चौधरी मूल रूप से राजद की राजनीतिक पृष्ठभूमि से आते हैं, इसलिए उन्हें राजद की कमजोरी और मजबूती की पूरी समझ है, जो भविष्य में राजद को चुनौती देने में मददगार साबित हो सकती है. जानकार बता रहे हैं कि भाजपा का आत्मनिर्भर बिहार मिशन के तहत भाजपा अब बिहारए में अपने दम पर सत्ता स्थापित करना चाहती है. इसलिए भाजपाई निर्णय को दूरगामी सोच का हिस्सा माना जा रहा है.

प्रदेश में मादक पदार्थ तस्करी पर सख्त कार्रवाई

> इंदौर में भी एमडी ड्रग्स और गांजे की कई खेप पकड़ते हुए पुलिस ने अलग-अलग कार्रवाइयों में कई आरोपियों को दबोचा. मंदसौर, उज्जैन, भोपाल, खरगोन, राजगढ़, सीधी और टीकमगढ़ में भी इसी तरह की कार्रवाई करते हुए पुलिस ने चरस, गांजा, एमडीएमए और अवैध रूप से बेची जा रही दवाओं की जब्ती की. पुलिस ने सख्त कार्रवाई जारी रखने का संकल्प दोहराते हुए नागरिकों से संदिग्ध गतिविधियों की तुरंत सूचना देने की अपील की है.

विशेष संवाददाता

भोपाल, 14 अप्रैल. मध्यप्रदेश में अवैध मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ पुलिस ने अभियान तेज कर दिया है और विभिन्न जिलों में उल्लेखनीय सफलता हासिल की है.

समन्वित कार्रवाई की श्रृंखला में पुलिस ने 1.37 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य के नशीले पदार्थ और अन्य संपत्तियां जब्त की हैं तथा संगठित तस्करी नेटवर्क से जुड़े कई आरोपियों को गिरफ्तार किया है.

विदिशा में 'ऑपरेशन क्लीन स्वीप' के तहत पुलिस ने अंतरराज्यीय ड्रग सिंडिकेट का भंडाफोड़ करते हुए 13 लोगों को गिरफ्तार किया. यहां से 92.01 ग्राम ब्राउन शुगर (कीमत लगभग 9.15 लाख रुपये), चार वाहन और नकदी बरामद की गई, जिससे कुल जब्ती एक करोड़ रुपये से अधिक हो गई. जांच में सामने आया कि गिरोह चार स्तरों—सरगना, स्थानीय वितरक, डिलीवरी एजेंट और लॉजिस्टिक्स हैंडलर में काम करता था. यह गिरोह राजस्थान से ड्रग्स मंगाकर डिजिटल भुगतान और 'डेड ड्रॉप' जैसी तकनीकों का उपयोग कर पुलिस से बचता था.

जबलपुर में 20 किलो गांजा (कीमत लगभग 10 लाख रुपये) के साथ तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया, जबकि एक टैंकर ट्रक और मोबाइल फोन भी जब्त किए गए.

जहां पीएनजी पाइपलाइन, वहां कनेक्शन जरूर लें : गोविंद

प्रशासनिक संवाददाता

भोपाल, 14 अप्रैल. पीएनजी पाइपलाइन जिन क्षेत्रों में बिछ चुकी है, उस क्षेत्र के उपभोक्ता पीएनजी कनेक्शन जरूर लें. इससे उन्हें गैस सिलेंडर लेने की जरूरत नहीं पड़ेगी.

गैस की सतत आपूर्ति होगी. उपभोक्ता किसी तरह का भ्रम नहीं पालें. पीएनजी पूरी तरह से सुरक्षित है. खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने उपभोक्ताओं से यह अपील की है. राजपूत ने बताया कि प्रदेश में आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत एलपीजी की कालाबाजारी रोकने के लिये निरंतर कार्यवाही की जा रही है, अभी तक 2925 स्थानों पर जांच की गई, 4369 एलपीजी सिलेण्डर जब्त किये गए तथा 11 प्रकरणों में एफआईआर दर्ज कराई गई.

प्रदेश के 753 रिटेल आउटलेट की जांच कराई गई है. इसमें 1 प्रकरण में एफ.आई.आर. दर्ज कराई गई है. मंत्री ने भारत सरकार द्वारा निर्धारित 70% सीमा के अधीन संस्थाओं एवं प्रतिष्ठानों को तय किये गये प्राथमिकता क्रम अनुसार सप्लाई निरंतर जारी रखने के निर्देश दिये हैं.

राज्यपाल पटेल ने डॉ. अम्बेडकर की जयंती पर किया नमन

भोपाल. राज्यपाल मंगुभाई पटेल मंगलवार को भारत रत्न बाबा साहेब डॉ. बी.आर. अम्बेडकर की जयंती पर आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए. राज्यपाल पटेल ने भारतीय संविधान के निर्माता डॉ. अम्बेडकर के छाया चित्र पर पुष्प अर्पित कर नमन किया. लोकभवन के बैंक्वेट हॉल में आयोजित कार्यक्रम में राज्यपाल के प्रमुख सचिव डॉ. नवनीत मोहन कोठारी भी मौजूद थे.

भारतीय शिक्षण मंडल के 57वें स्थापना दिवस पर कार्यक्रम आज

भोपाल. भारतीय शिक्षण मंडल के 57वें स्थापना दिवस पर कार्यक्रम आज बुधवार 15 अप्रैल को आयोजित होगा. भारतीय शिक्षण मंडल मध्य भारत प्रांत भोपाल महानगर द्वारा 'शिक्षा में संस्कार, राष्ट्र निर्माण का आधार' विषय पर न्यू मार्केट स्थित अपेक्स बैंक के समन्वय भवन में प्रात: 11 बजे से यह आयोजन होगा. इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद राजपूत होंगे. कार्यक्रम के मुख्य वक्ता के रूप में भारतीय शिक्षण मंडल के अखिल भारतीय संगठन मंत्री बी. आर. शंकरानन्द विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे.

एलएचबी के साथ दौड़ेगी भोपाल-जोधपुर ट्रेन

यात्रियों को मिलेगी अधिक आराम और सुरक्षा

भोपाल, 14 अप्रैल. भारतीय रेलवे यात्रियों को बेहतर और सुरक्षित यात्रा अनुभव देने के लिए लगातार अपने कोचों को आधुनिक बना रहा है. इसी क्रम में जोधपुर-भोपाल-जोधपुर एक्सप्रेस को अब एलएचबी (लिंक-हॉफमैन-बुश) रैक के साथ संचालित करने का निर्णय लिया गया है.

यह बदलाव पश्चिम मध्य रेल द्वारा किया गया है, जिससे यात्रियों को अधिक आराम और सुरक्षा मिल सके. नई व्यवस्था के अनुसार, गाड़ी संख्या 14813 जोधपुर-भोपाल एक्सप्रेस 14 अप्रैल 2026 से जोधपुर से एलएचबी कोच के साथ चलेगी, जबकि गाड़ी संख्या 14814 भोपाल-जोधपुर एक्सप्रेस 15 अप्रैल 2026 से भोपाल से एलएचबी रैक के साथ संचालित होगी. यह बदलाव नियमित यात्रियों के लिए एक बड़ा सुधार माना जा रहा है.

एलएचबी कोच जर्मन तकनीक पर आधारित आधुनिक कोच होते हैं, जो पारंपरिक आईसीएफ कोच की तुलना में अधिक सुरक्षित और आरामदायक माने जाते हैं. इनकी डिजाइन ऐसी होती है कि दुर्घटना की स्थिति में कोच एक-दूसरे पर चढ़ते नहीं हैं, जिससे जानमाल का नुकसान कम होता है. साथ ही, इन कोचों में बेहतर सस्पेंशन और उन्नत ब्रेकिंग सिस्टम होता है, जिससे यात्रा अधिक स्मूद और सुरक्षित बनती है. इस ट्रेन की नई कोच संरचना भी यात्रियों की जरूरतों को ध्यान में रखकर तैयार की गई है.

> **भोपाल से होकर समर स्पेशल ट्रेनों का संचालन**
>
> **भोपाल.** भारतीय रेलवे ने ग्रीष्मकालीन अवकाश के दौरान बढ़ती भीड़ को देखते हुए यात्रियों की सुविधा के लिए दो जोड़ी समर स्पेशल ट्रेनों के संचालन का निर्णय लिया है. ये ट्रेनें भोपाल मंडल से होकर गुजरेंगी और यहां के प्रमुख स्टेशनों को सीधा लाभ पहुंचाएंगी. इन विशेष ट्रेनों का ठहराव रानी कमलापति रेलवे स्टेशन, इटारसी और बीना में होगा, जिससे क्षेत्र के यात्रियों को अतिरिक्त यात्रा विकल्प मिलेंगे. पहली ट्रेन सुल्तानपुर-लोकमान्य तिलक टर्मिनस विशेष है. यह ट्रेन 20 मई 2026 से 15 जुलाई 2026 तक सुल्तानपुर से कुल 9 फेरे लगाएगी, जबकि लोकमान्य तिलक टर्मिनस से 21 मई से 16 जुलाई 2026 तक 9 फेरे संचालित होंगे. यह सुल्तानपुर से प्रत्येक बुधवार और एलटीटी से प्रत्येक गुरुवार को चलेगी.

अंबेडकर जयंती पीसीसी चीफ जीतू पटवारी ने महू में डॉ. अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया, सामाजिक न्याय की मांग दोहराई

अंबेडकर के आदर्श लोकतंत्र को मजबूत बनाने वाले

विशेष संवाददाता

भोपाल, 14 अप्रैल. मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी (एमपीसीसी) के अध्यक्ष जीतू पटवारी ने मंगलवार को डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती के अवसर पर उनकी जन्मस्थली डॉ. अंबेडकर नगर (महू) पहुंचकर पुष्पांजलि अर्पित की.

कार्यकर्ताओं और समर्थकों को संबोधित करते हुए पटवारी ने कहा कि अंबेडकर के आदर्श लोकतंत्र को मजबूत करने, समान अधिकार, सामाजिक न्याय और संविधान की रक्षा के लिए आज भी प्रेरणा देते हैं. उन्होंने कहा कि समाज के सभी वर्गों की सहभागिता और समानता अंबेडकर की मूल सोच का केंद्र थी. इसके बाद पटवारी ने भोपाल उत्तर विधानसभा क्षेत्र में आयोजित एक प्रतिमा स्थापना एवं अनावरण कार्यक्रम में भाग लिया, जिसका आयोजन अतिफ अकील द्वारा किया गया था.

इस दौरान अंबेडकर की प्रतिमा का अनावरण पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह और पटवारी ने संयुक्त रूप से किया. कार्यक्रम में जिला अध्यक्ष प्रवीण सक्सेना और ग्रामीण जिला अध्यक्ष अनोखी पटेल सहित कई कांग्रेस नेता मौजूद रहे. पटवारी ने कहा कि अंबेडकर को सच्ची श्रद्धांजलि उनके बताए सामाजिक, राजनीतिक और आर्थिक समानता के मार्ग पर चलकर ही दी जा सकती है. उन्होंने भारतीय जनता पार्टी पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि जो लोग संविधान पर सवाल उठाते हैं, वे केवल औपचारिक रूप से अंबेडकर का सम्मान करते हैं.

दलितों और अन्य पिछड़ा वर्ग के खिलाफ कथित अत्याचारों पर चिंता जताते हुए उन्होंने सरकार से एक माह के भीतर एससी, एसटी और ओबीसी वर्गों के लंबित पदों को भरने की मांग की.

साथ ही मुख्यमंत्री से संवैधानिक मूल्यों की रक्षा सुनिश्चित करने और कमजोर वर्गों को न्याय दिलाने के लिए ठोस कदम उठाने का आग्रह किया.

> **मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने मनाई अंबेडकर जयंती**
>
>
>
> **भोपाल.** मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी (पीसीसी) ने मंगलवार को अपने मुख्यालय में संविधान निर्माता डॉ. बी.आर. अंबेडकर की 135वीं जयंती श्रद्धा और गरिमा के साथ मनाई. इस अवसर पर पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उनके आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया. कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रदेश कांग्रेस अनुसूचित जाति विभाग के अध्यक्ष प्रदीप अहिरवार ने कहा कि अंबेडकर का 'शिक्षित बनो, संगठित रहो और संघर्ष करो' का संदेश आज भी प्रासंगिक है. उन्होंने भारतीय जनता पार्टी पर संविधान विरोधी होने का आरोप लगाते हुए कहा कि भाजपा केवल राजनीतिक लाभ के लिए अंबेडकर के नाम का उपयोग करती है. अहिरवार ने ग्वालियर में अंबेडकर की प्रतिमा स्थापना से जुड़े विवाद का उल्लेख करते हुए कहा कि हाईकोर्ट परिसर में उनकी प्रतिमा लगाने में कथित बाधा डाली गई, जो दलित समाज की भावनाओं का अपमान है. उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि दलित कल्याण के लिए आवंटित बजट में राज्य सरकार भ्रष्टाचार कर रही है और अधिकांश प्रावधान केवल कागजों तक सीमित हैं. इस दौरान विनय मालवीय, नीरज चंदाले और मुकेश बंसल सहित कई नेता उपस्थित रहे. कार्यक्रम में सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने संविधान की रक्षा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई.